

FIRST INFORMATION REPORT

(Under Section 154 Cr. P.C.)

33

Dist. Alipurdwar P.S. Jaigaon Year 2021 FIR No. 33/21 Date 06/03/21

(i) Act Sections 198A/297(ii) Act 297 Sections

(iii) Act Sections (iv) Others Acts & Sections

(a) Occurrence of Offence: Day Date From Date To

Time Period Time From Time To

(b) Information received at P.S. Date Time

(c) General Diary Reference : Entry No. (s) Time

Type of Information : Written / Oral

Place of Occurrence : (a) Direction and Distance From P.S. Beat No.

(d) Address

(e) In case outside limit of this Police Station, then the

Name of the P.S. District

Complainant / Informant :

(a) Name

(b) Father's / Husband's Name

(c) Date / Year of Birth (d) Nationality

(e) Passport No Date of Issue Place of Issue

(f) Occupation

(g) Address

Details of known / suspected / unknown accused with full particulars

(Attach separate sheet, If necessary) :

Reasons for delay in reporting by the Complainant / Information

Particulars of properties stolen / involved (Attach separate sheet, if necessary)

Total value of properties stolen / involved

Inquest Report/U.D. Case No. if any

FIR Contents (Attach separate sheet, if required)

Action taken : Since the above report reveals commission of offence(s) as mentioned at item No.2, registered the case and took up to the investigation / directed to take up investigation / refuse investigation / transferred to P.S. on point of jurisdiction FIR over to the Complaint Informant, admitted to be correctly recorded and a copy given to the Complainant / Informant free of cost.

Signature / Thumb impression of the Complainant / Informant

Signature of the Officer in Charge, Police Station

Date & Time of dispatch to the court :

Name Rank No.

Dist. Alipurdwar

Jaigaon Police Station

Dist. Alipurdwar

Signature of the Officer in Charge, Police Station

Name Rank No.

Dist. Alipurdwar

Jaigaon Police Station

Dist. Alipurdwar

Signature of the Officer in Charge, Police Station

Name Rank No.

Dist. Alipurdwar

Jaigaon Police Station

Dist. Alipurdwar

Officer in Charge
Jaigaon Police Station
Dist. Alipurduar

[illegible]

And thus I have been able to give you a little more than I had intended.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

१. अग्नि में पड़े से, पानीर में से जो अम्ल निकल आता है
 अग्नि में डाला होकर गुलाबों से जो अम्ल निकल आता है - २. अम्ल
 अम्ल ३. अम्ल अम्ल (अम्ल), ४. अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल
 ५. अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल अम्ल

अपराधित्व मानें जो पूरा करने के बाद समाधि में शिमेराज्य के साथ विवाह सम्मान दूँगा । लेकिन Lock down से पहले मेरे परिवार वाले कुछ अपराधिक नियम के आधार पर मुझे मारेंगे । माइके ले गए, मेरे पाँसे के अर्जेंट से । परन्तु, समाधि में शिमेराज्य के पुरा होने के बाद सब मेरे माता पिता मेरे पति (शंदीप शाह) को मुझे तापस उतारे (मेरे पति के घर) पास ले जाने के लिए बोले । मेरे पति ने मुझे तापस लेने के लिए शाप दुबकार कर दिया । कारण मेरे पति शंदीप शाह और उनके परिवार वालों ने फिर से दहेज का मांग करने लगे । दहेज के रूप में 1 करोड़ रुपया का मांग किया । मैं, मेरे माता पिता ने इतना बड़ा रकम देने में असमर्थ के बाद उन्हें और उनके परिवार को मनाने का प्रयास किया ।

P.T-0. I

P.T.O.

परन्तु मेरे पास और उनके परिवार वाले लोहू में उड़े रहे और उन्होंने शायद वह दिनांक के बलवत् 1 मई 1974 रूपवा नहीं लायेगी। तब तक लुहू हम नहीं आयागेगे। मैंने जाने के पहले भी मेरे पास संधीप साहू, शाश फूलमणि देवी, और नन्द शैलु साहू दूहेज के नाम पर मुझे खरीद खोला और साथ ही माथे चोले थे।

आज दिनांक 05/03/2020 में अपने भाई आन गुप्ता, माँ अप्पल गुप्ता, बहन मीरा गुप्ता, पुता निरमल गुप्ता एवं चम्पा विजयल गुप्ता के घर समय 8.30 P.M. में पहुँचे थे। उनके घर जाने में पहले मेरे परिवार और मेरे पास एवं पास के परिवार के साथ बातचीत करने के बाद ही उनके घर गये थे। परन्तु लोहू के दोस्तों के अपने घर पहुँचे तब तो दृश्य ही

कुछ अलग था। आन, निरमल, मेरी शाश फूलमणि देवी ने मेरे आने का खबर देकर हमलोगों के, मुझे लोहू के उद्देश्य से मेरी माँ आने का कहना था कि लोहू नन्द किशोर ठाकुर, पिता स्थान - लोहू लोहू लोहू, जो दूरभाष, धोना-अच्छा, दिना आनपुरद्वार, विजय 23 अक्टूबर मेरी माँ के माथे/शर पर हमला किया जाना में शामिल थे, उद्देश्य से दिशके कारन मेरी माँ लोहू में मेरे गेटे और उनके माथे से खुन लहने लगा। दिना निरमल मेरे भाई, बहन बीच बचाव में शामिल आये तब पहले तो मौलुद और पास संधीप साहू के कुछ बदमाश लोहू के नन्द किशोर ठाकुर एवं उनके साथ 14-15 लोहू के मेरे भाई पर हमला किया एवं साथ ही साथ मेरी बहन के माँ लोहू पर पकड़ कर लगी। हमलोग शुनर कुछ देर बाद आन दूरभाष के कुछ लोग बीच बचाव करने वहाँ पहुँचे। लोहू के भाई देवसर नन्द किशोर ठाकुर एवं उनके 14-15 सहयोगी घटना स्थल से आगे। फिर हमलोग स्थानीय लोगों के मदद से Lothabaw Health Centre पहुँचे एवं हमसभी ने वहाँ इलाज कराया। दिशका भारत नगरपाल इस F.I.R. के साथ

संलग्न कर रही हूँ।

आरंभ आप से किछ निवेदन है कि मैंने पति
संक्षेप साह भुज अर्थात् गो, लदन के शिवलाम्प कहे
उत्पत्ति भुज भारपीठ में, ८८८ द्वारा बंदरे हुए अर्थात्
हो लन्द निरूपण कर भुज लन्द निरूपण हाथ में
मैंने गो को लान में मारने का लोखला करने के लिये
अर्थात् मैं लन्द लान्नी ८८८ द्वारा कर भुज निरूपण
करने हुए भुज लान दिनांक में मैंने लन्द करे।

दिनांक

आपका आशान

मोहनी भुज (आह)।

05/03/2021.

8812809099

6294468774